**विधान परिषद के प्रथम सत्र, 2025 के प्रथम सोमवार हेतु निर्धारित श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह सदस्य, विधान परिषद् द्वारा पूछे गये अल्पसूचित प्रश्न संख्या-4 का उत्तर :-**

| <u>अल्पसूचित प्रश्न</u> | <u>उत्तर</u> |
|---|---|
| 4- | |
| (क) क्या वन मंत्री बतायेंगे कि माह जुलाई, अगस्त, 2024 में प्रदेश में कितनी संख्या में वृक्षारोपण किये गये है ? | माह जुलाई व अगस्त, 2024 के वृक्षारोपण अभियान में कुल 36.81 करोड़ पौधों का रोपण किया गया है। |
| (ख) उपोक्त वृक्षारोपण के उपरान्त वनावरण में कितनी वृद्धि हुई है ? | भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून की वन स्थिति रिपोर्ट 2023 के अनुसार प्रदेश में वर्ष 2021 से 2023 के बीच प्रदेश के वनावरण में 559.19 वर्ग किलोमीटर (1,38,120 एकड़) की वृद्धि हुई है। |
| (ग) वर्तमान में प्रदेश में वृक्षारोपित क्षेत्रों की सफलता का प्रतिशत क्या है? | वर्ष 2024-2025 में वृक्षारोपित क्षेत्रों के अन्तर्गत वन विभाग के रोपण का सफलता प्रतिशत 90% से अधिक है तथा अन्य विभागों के रोपण का सफलता प्रतिशत 80 से 85% के बीच है।<br>पेड़ बचाओ अभियान के दौरान मृत/सूखे पौधों की जगह नये पौधों का रोपण किया गया/किया जा रहा है। |
| (घ) पौधारोपण की जॉच एवं सफलता के लिए क्या कोई समिति बनी है, अथवा कोई सेटेलाईट की व्यवस्था है? | वृक्षारोपण के मूल्यांकन हेतु वन विभाग के रोपण के लिए अनुश्रवण एवं मूल्यांकन इकाई स्थापित है तथा अन्य विभागों के रोपण के मूल्यांकन हेतु जिला वृक्षारोपण समिति गठित है, जिसके अध्यक्ष जिलाधिकारी हैं।<br>सेटेलाइट की व्यवस्था भारतीय वन सर्वेक्षण, देहरादून के पास है जो प्रत्येक 02 वर्ष में वनावरण तथा वृक्षावरण की रिपोर्ट प्रकाशित करता है। |
| (ड.) प्रदेश में कितने हेक्टेयर वन क्षेत्र है, कितना खाली है, जिस पर वर्ष 2025 में वृक्षारोण किया जायेगा? | प्रदेश में 17,72,240 हे० वन क्षेत्र है। फील्ड स्तरीय अधिकारियों की रिपोर्ट के अनुसार वृक्षारोपण हेतु 3,80,188 हे० वन क्षेत्र खाली है, जिसमें से वर्ष 2025 में लगभग 60,000 हे० वन भूमि पर रोपण कराया जायेगा। |

**डॉ0 अरून कुमार**
**राज्य मंत्री ( स्वतंत्र प्रभार )**
**पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग।**